केंद्रीय कानून मंत्री के बीकानेर में हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना संबंधी बयान का विरोध

जोधपुर के वकीलों का आक्रोश फूटा, न्यायिक कार्यों का बहिष्कार कर प्रदर्शन किया

- बीकानेर में सर्किट बेंच के मुद्दे पर आयोजित बैठक में कानून मंत्री के सोशल मीडिया पर वायरल हुए बयान पर चर्चा की गई
- बयान में मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की आगामी बीकानेर यात्रा के दौरान वहां हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना की बात कही गई थी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट और अधीनस्थ न्यायालयों के वकीलों ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के बीकानेर में हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना संबंधी बयान के विरोध में शुक्रवार को न्यायिक कार्यों का स्वैच्छिक बहिष्कार कर प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट लायर्स एसोसिएशन, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया ने कहा कि सरकार ने करीब पांच दशक पहले जो भूल की थी, उसी तरह की दुबारा कोशिश को अधिवक्ता कामयाब नहीं होने देंगे। ऐसी किसी भी मंशा के खिलाफ तमाम अधिवक्ता एकजुट हैं और न्यायिक राजधानी की प्रतिष्ठा को कायम रखने के लिए हर स्तर पर आंदोलन के लिए तैयार हैं। वकीलों के कार्य बहिष्कार के कारण शुक्रवार को अदालतों में न्यायिक कामकाज प्रभावित हुआ है।

बीकानेर में सर्किट बेंच के मुद्दे पर अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया और कार्यवाहक अध्यक्ष पिंटू पारिक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कानून मंत्री के सोशल मीडिया पर वायरल हुए बयान पर चर्चा की गई। इस बयान में मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की आगामी बीकानेर यात्रा के दौरान वहां हाईकोर्ट की सर्किट बेंच की स्थापना की बात कही गई थी। दोनों एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए आक्रोश व्यक्त किया। वकीलों ने कहा कि पांच दशक पहले जो भूल की थी, उसी तरह की दुबारा कोशिश को एडवोकेट कामयाब नहीं होने देंगे।

एडवोकेट्स एसोसिएशन के महासचिव शिवलाल बरवड़ और लॉयर्स एसोसिएशन के महासचिव मनीष टॉक ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि 12 सितंबर को सभी अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर मुख्यपीठ और समस्त अधिनस्थ न्यायालयों में व्यक्तिगत और वर्चुअल से उपस्थिति नहीं देंगे। न्यायिक कार्यों का स्वैच्छिक रूप से बहिष्कार किया जा रहा है। दोनों एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से रजिस्ट्रार जनरल को पत्र भेजकर निवेदन किया गया है कि 12 सितंबर को किसी भी प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही न कराई जाए। इसके साथ ही सभी अधिवक्ताओं से भी अपील की गई है कि वे राजस्थान उच्च न्यायालय मुख्यपीठ के गौरव और प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने के लिए समस्त न्यायालयों में स्वैच्छिक रूप से उपस्थिति प्रदान न करते हुए सहयोग प्रदान करें।

बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने राजस्थान उच्च न्यायालय को अखंड रखने के लिए अपने विचार रखे। इनमें रवि भंसाली, जी.आर. पूनिया, राजेश जोशी, आर.के. थानवी, जगमालसिंह चौधरी, जे.एल. पुरोहित, संजीव जोहरी, मनीष सिसोदिया, धीरेन्द्र सिंह दासपा, दिलीपसिंह उदावत, मनोज भंडारी और डॉ. अशोक सोनी आदि वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल थे। बैठक में आगामी कार्यवाही के लिए एक कमेटी गठन का निर्णय भी लिया गया। एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ठोलिया ने चेतावनी दी कि यदि सरकार राजस्थान उच्च न्यायालय को खंडित करने का प्रयास करती है तो पश्चिमी राजस्थान के गौरव की रक्षा और न्यायिक राजधानी के हितों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाने पड़ेंगे और न्यायिक कार्यों का अनिश्चितकाल के लिए बहिष्कार भी करना पड़ सकता है। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष महेंद्र सांडलिया ने जोधपुर के अधिवक्ताओं को सहयोग प्रदान करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री के व्यक्तव्य की भर्त्सना की। उन्होंने 12 सितंबर को राजस्थान उच्च न्यायालय बैंच जयपुर के न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करने की घोषणा कर जोधपुर के अधिवक्ताओं को समर्थन दिया। शुक्रवार की बैठक में दोनों एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें उपाध्यक्ष धीरेन्द्र दाधीच, सहसचिव विजेन्द्र पुरी और ऋषि सोनी, पुस्तकालय सचिव कांता राजपुरोहित और चिरांग खत्री, कोषाध्यक्ष विमल कुमार माहेश्वरी और शुभम मोदी, एडवोकेट दिनेश जैन सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता थे।

खारी नदी में डूबे छात्र का शव मिला

शुक्रवार सुबह एनडीआरएफ की टीम ने शव निकाला

- ग्रामीणों ने करीब 24 घंटे तक छात्र को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शंभूगढ़ थाना क्षेत्र में गजसिंहपुरा गांव के पास गुरुवार शाम तीन बजे खारी नदी में डूबे 17 वर्षीय छात्र सुशील मेघवंशी का शव 26 घंटे बाद मिल पाया है।

शंभूगढ़ थाना क्षेत्र के गजसिंहपुरा निवासी सुशील मेघवंशी गुरुवार शाम को स्कूल की छुट्टी के बाद दो दोस्तों के साथ ट्यूशन की कहकर घर से निकला था, जो खारी नदी में डूब गया। जिससे से दो दोस्तों को ग्रामीणों ने नदी से बचा लिया, जिसके बाद एक की लगातार तलाश जारी थी। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने करीब 24 घंटे तक छात्र को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद, शुक्रवार सुबह एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने आधुनिक उपकरणों की मदद से नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

शंभूगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि लगातार अभियान जारी है, जल्द ही सफलता मिल जाएगी। वहीं छात्र सुशील मेघवंशी के पिता जगदीश मेघवंशी जो पैर से दिव्यांग है, उन्होंने बताया कि छात्र घर से ट्यूशन के लिए निकला था, लेकिन अभी तक नहीं लौटा। बताया कि वो कक्षा 11 में पढ़ाई करता है। इससे बड़ा पुत्र वो कक्षा 12 में पढ़ाई करता है। ये सुशील मेघवंशी सबसे छोटा पुत्र है वहीं खारी नदी के पास ही उनके खेत है। ग्रामीण बारनी निवासी जीवण गुर्जर ने बताया कि कल शाम चार बजे खारी नदी से दोनों छात्र पारस भील और प्रकाश गुर्जर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। वहीं तीसरे की तलाश 26 घंटे बाद पूरी हुई।

इंग्लिश मीडियम स्कूलों में हिंदी माध्यम का विकल्प भी, आदेश जारी

- राज्य के 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब हिंदी मीडियम के विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे
- इन स्कूलों में हिंदी माध्यम का संचालन शैक्षणिक सत्र 2025-26 से किया जाएगा

बीकानेर, (निसं)। राज्य के 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब हिंदी मीडियम के विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में तीन बिंदुओं की गाइडलाइन संयुक्त निदेशक और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी की है।

गाइडलाइन के मुताबिक बीकानेर सहित राज्य के 28 जिलों के 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब विद्यार्थियों को इंग्लिश मीडियम के साथ-साथ हिंदी मीडियम में पढ़ने का विकल्प मिलेगा। इन स्कूलों में हिंदी माध्यम का संचालन शैक्षणिक सत्र 2025-26 से किया जाएगा। इन 98 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों से संबंधित जिन ग्राम पंचायत में हिंदी माध्यम का उच्च माध्यमिक स्तर का विद्यालय नहीं है। वहां हिंदी माध्यम की कक्षाओं का भी संचालन किया जाएगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं का अध्यापन कार्य करवाने वाले शिक्षक ही हिंदी माध्यम की कक्षाओं के विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे। 28 जिलों की 98 स्कूलों में बीकानेर की दो स्कूलों का नाम शामिल है। जिसमें से एक लूणकरणसर और दूसरी खाजूवाला ब्लॉक में है।

अजमेर : आनासागर झील के किनारे बने सेवन वंडर पार्क को तोड़ने की कार्रवाई शुरु

अजमेर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने व पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए थे सात अजूबे

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने व पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत ऐतिहासिक आनासागर झील के भराव क्षेत्र में करीब 12 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए सात अजूबों (सेवन वंडर पार्क) पर सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के आदेशों की पालना करते हुए बुलडोजर से शुक्रवार सुबह अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। कार्यवाही के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। वहीं मीडिया को भी अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर 17 सितंबर तक सेवन वंडर तोड़ने की समय सीमा तय की थी।

पहले तोड़ा रोम कोलोसियम:- सेवन वंडर में कार्यवाही के लिए भारी भरकम क्रेन, पोकलेन मशीन और जेसीबी मशीनें लाई गई। एडीए टीम ने सबसे पहले रोम के कोलोसियम की प्रतिकृति को तोड़ा। जेसीबी और मजदूरों की मदद से इसे मलबे में तब्दील कर दिया गया। इसके बाद मिस्र के पिरामिड की फर्श तोड़ने का काम भी शुरू किया गया। ताजमहल, एफिल टॉवर और पीसा की झुकी हुई मीनार पर अभी काम शुरू नहीं हुआ है।

भारी भरकम क्रेन, पोकलेन मशीन और जेसीबी मशीनों से सेवन वंडर तोड़ने की कार्रवाई शुरु की।

याचिकाकर्ता की दलील और कोर्ट का रुख:-आनासागर झील के आसपास वेटलैंड खत्म करने और मास्टर प्लान की अवहेलना को लेकर पूर्व पार्षद अशोक मलिक ने 11 मार्च 2023 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में रिट लगाई थी। 11 अगस्त 2023 को एनजीटी की भोपाल बेंच ने अपने आदेश में सेवन वंडर्स पार्क, पटेल स्टेडियम, गांधी स्मृति उद्यान और झील के चारों ओर बने फूड कोर्ट को ध्वस्त करने का आदेश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी फटकार:- एनजीटी ने माना था कि वेटलैंड खत्म करने और मास्टर प्लान की अवहेलना कर निर्माण किया गया था। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में कहा कि आप की कार्यप्रणाली से ऐसा नहीं लगता कि आप अजमेर को स्मार्ट बनाना चाहते हो, हमें आश्चर्य है कि शहर में जल निकायों, आद्र भूमि (वेटलैंड) की सुरक्षा के बिना कोई शहर कैसे स्मार्ट बन सकता है और जल निकायों, आद्र भूमि (वेटलैंड) पर अतिक्रमण करके शहर कैसे स्मार्ट बन सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश की पालन की जा रही है। 17 सितंबर तक पूरी संरचना हटाना हैं।

- प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर 17 सितंबर तक सेवन वंडर तोड़ने की समय सीमा तय की थी

26 दिसंबर 2020 को जारी हुई थी निविदा:- स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत 10.5 करोड़ की लागत की निविदा जारी की गई थी। तकनीकी प्रक्रिया पूरी करने के बाद वर्क ऑर्डर जारी किए गए थे। समय के साथ प्रोजेक्ट की लागत बढ़ी। ये प्रोजेक्ट करीब 11.64 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया गया। इस पार्क में ताजमहल, एफिल टॉवर, मिस्र के पिरामिड, पीसा की झुकी मीनार, रोम का कोलोसियम, न्यूयॉर्क का स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी और ब्राजील का रियो डी जेनेरियो की क्राइस्ट दी रिडीमर प्रतिमाएं लगाई गई थीं। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2022 में इसका उद्घाटन किया था। मार्च 2025 में सबसे पहले स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी को हटाने की कवायद की गई थी। यहां उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक आनासागर झील के भराव क्षेत्र में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनाए गए सेवन वंडर्स पार्क को लेकर दो साल से ज्यादा समय तक मामला कानूनी दाव पेच में उलझा रहा, आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब तोडने की कार्यवाही शुरू हुई।

अशोक मलिक, याचिकाकर्ता का कहना है कि 17 मार्च 2025 को चीफ सेक्रेटरी ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश किया था, उसकी पालना में ही यह सेवन वंडर तोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। इसका निर्माण करते समय प्रशासन ने मिट्टी भरी और आनासागर का भराव क्षेत्र का दायर कम कर दिया, प्रशासन को मिट्टी को खोदकर आनासागर का भराव क्षेत्र सड़क तक लाया जाए, उन्होंने साथ ही 39 अवैध निर्माण किए गए हैं, उनको भी तोड़ा जाए।

एयरफोर्स जवान को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी

अजमेर, (कासं)। अजमेर निवासी पश्चिम बंगाल के हासीमारा एयरफोर्स स्टेशन पर तैनात वायुसेना के जवान पुलकित नाथ की गोली लगने से मौत हो गई। शुक्रवार सुबह जवान का पार्थिव शरीर अजमेर पहुंचा तो पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। सेना के जवानों ने उन्हें अंतिम विदाई देते हुए गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम सैल्यूट दिया। सैन्य जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

अजमेर कोटड़ा निवासी पुलकित नाथ 9 सितंबर को गोली लगने की घटना के शिकार हुए थे। एयरफोर्स अधिकारियों ने 10 सितंबर को परिवार को सूचना दी थीं, पार्थिव देह दिल्ली से सेना वाहन में शुक्रवार सुबह अजमेर पहुंची, जहां कोटड़ा स्थित घर पर जवान की पार्थिव देह अंतिम दर्शन के लिए रखी गई। इसके बाद पार्थिव देह को राम नगर के पैतृक घर लाया गया,जहां पुलकित के घर पार्थिव देह पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई। पिता राजेंद्र प्रसाद, मां और दो बहनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अंतिम यात्रा बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार, प्रशासनिक अधिकारी व शहरवासी शामिल हुए।

पुलकित नाथ ने बीटेक करने के बाद 2018 में एयरफोर्स जॉइन की थी। वे हाल ही में छुट्टी पर आए थे और 5 सितंबर को बहनों के साथ जयपुर में जन्मदिन भी मनाया था।

कुछ दिनों बाद ही ड्यूटी पर लौटे थे। गोली लगने के कारण की जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। अंतिम यात्रा के दौरान एयरफोर्स के जवानों ने पुलकित नाथ को अंतिम सलामी दी। राम नगर स्थित श्मशान घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। जवान के पिता ने बताया कि पुलकित पढ़ाई में काफी होशियार थे।

एनिकट में डूबने से किशोरी की मौत

उदयपुर, (निसं)। एनिकट में नहाने के दौरानपानी में डूबने से किशोरी की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुराबड़ थाना क्षैत्र उमरड़ा निवासी लता कुमारी (13) पुत्री लालूराम मीणा की दामाखेड़ा एनिकट खारवा में नहाने गई थी, जहां पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक को बाहर निकाल कुराबड चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया है, जिसका शनिवार को पोस्टमार्टम होगा। लता कुमारी खारवा दामा खेड़ा निवासी अपने मौसा हवजी के यहां पर गत चार पांच माह से रह रही थी। दोपहर में वह एनिकट पर नहाने गई थी। वहीं कुराबड़ थाना क्षैत्र कोट गांव निवासी वालचंद (26) पुत्र रूपाजी डांगी ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया। जिसकी तबीयत खराब होने पर परिजनों ने एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई।

बंदी की मौत : उदयपुर के एमबी चिकित्सालय में उपचाररत बंदी की मौत हो गई। उदयपुर केन्द्रीय कारागृह में चार वर्ष की साधारण कारावास की सजा काट रहे बंदी बोडामली थाना धंबोला डूंगरपुर निवासी सुरेश पुत्र लक्ष्मण मीणा की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। सुरेश 22 अगस्त 2025 से जेल में सजा काट रहा था। जिसकी तबीयत खराब होने पर उसे 7 सितंबर को उपचार के लिए भर्ती करवाया था।

अवैध शराब से भरी कार जब्त, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध शराब से भरी कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपाधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में ऋषभदेव थाना पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी के दौरान कार को रोक तलाशी ली, जिसमें 5 कर्टन शराब के पाए गए। इस पर कार मय शराब जब्त कर आरोपी विनोद कुमार पुत्र गणेशलाल निवासी निचला आमला मांडवा ऋषभदेव को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

16 लाख की नगदी से भरी एटीएम मशीन उखाड़ ले गये बदमाश

गार्ड के साथ मारपीट कर स्प्रे का छिड़काव कर बेहोश किया और हाथ-पैर बांध दिये

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाश ड्यूटी पर तैनात गार्ड को बंधक बनाकर करीब 16 लाख 47 हजार की नगदी से भरी एसबीआई बैंक की एटीएम मशीन को उखाड़ कर साथ ले गये। स्कार्पिओ में सवार बेखौफ बदमाश केवल आठ मिनिट में ही लूट की वारदात को अंजाम तक पहुंचाकर फरार हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाश रात्रि करीब ढ़ाई बजे रूपनगढ़ रोड़ विश्वकर्मा स्कूल के सामने स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम बूथ में घुस गये और गार्ड बालकिशन शर्मा के साथ मारपीट कर स्प्रे का छिड़काव कर बेहोश कर दिया। साथ ही हाथ पैर मुंह बांध दिये। एटीएम मशीन के बारे में पूरी जानकारी रखने वाले शातिर बदमाशों ने बिजली प्लग हटाकर गैस कटर का उपयोग कर महज आठ मिनिट में मशीन को पट्टे से खींच स्कार्पियों में रख दिया। वारदात का अहम पहलू यह कि जिस अंदाज कार्यशैली के जरिये बदमाशों ने नगदी लूटी, निश्चित तौर पर यह पहले से एटीएम मशीन तोड़ने के लिये ट्रेनिंग ले चुके थे। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने तत्काल घटना स्थल का मौका मुआयना कर हर पहलू की बारीकी से जांच पड़ताल की। बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज सहित एफएसएल टीम द्वारा जुटाये गये साक्ष्य को जांच के दायरे में शामिल कर लिया है। अहम सुराग हाथ लगने पर बदमाशों को पकड़ने के लिये विभिन्न पुलिस टीमें गठित कर संभावित स्थानों पर रवाना की गई। गांधीनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एफएसएल टीम और पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

केन्द्रीय रेलमंत्री को फुलेरा जंक्शन पर धीमी गति से चल रहे कार्यों से अवगत कराया

- फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष के नेतृत्व में शिष्टमंडल की ओर से केंद्रीय रेलमंत्री अश्विन वैष्णव को जयपुर में ज्ञापन दिया
- फुलेरा जंक्शन को "अमृत भारत योजना" में जोड़कर जंक्शन का जीर्णोद्धार/विस्तार/ पुनर्विकास के लिए धन्यवाद भी दिया

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहुजा के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल की ओर से केंद्रीय रेलमंत्री अश्विन वैष्णव के जयपुर जंक्शन के नवीन प्रवेश द्वार गेट सं. 2 के उद्घाटन अवसर पर भेंट कर ज्ञापन प्रेषित किया गया। यह ज्ञापन फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहूजा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक तिवाड़ी ने दिया।

ज्ञापन में बताया कि फुलेरा जंक्शन को "अमृत भारत योजना" में जोड़कर जंक्शन का जीर्णोद्धार/ विस्तार/ पुनर्विकास के लिए धन्यवाद देते हुए धीमी गति से चल रहे कार्यों पर चिंता भी जताई। साथ ही उन्होंने बताया कि फुलेरा जंक्शन पर यात्रियों व स्टॉफ को उपलब्ध पेयजल में टीडीएस की मात्रा अधिक होने पर भी मजबूरन वही जल पीना पड़ रहा है, यहां जोधपुर जंक्शन की तर्ज पर सेंट्रलाइज वाटर फिल्टर स्थापित करवाया जाए। अमृत भारत योजना के तहत रेलवे करोड़ों रुपए लगाकर फुलेरा जंक्शन के सौंदर्यकरण पर खर्च कर रहा है, परंतु मुख्य प्रवेश द्वार की चौड़ाई मात्र 10 फीट है, जिसके कारण प्लेटफॉर्म पर आवागमन बाधित रहता है। प्रवेश द्वार को अविलंब चौड़ा करवाया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में बताया कि फुलेरा जंक्शन को वर्ष 2023 में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव शेड की सौगात प्रदान की गई थी, जिससे समस्त व्यापारी व आमजन में खुशी की लहर थी, परंतु विभाग द्वारा अभी तक प्रेषित इस सौगात को किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचाया गया, जिसका अभिलम्ब अग्रिम आदेश दिया जाये। फुलेरा जंक्शन तक आने के लिए यात्रियों को ऑटो, निजी वाहनों से आना पड़ता है, परंतु इतने बड़े जंक्शन पर ना ऑटो स्टैंड है ना ही कार पार्किंग व्यवस्था की समुचित व्यवस्था है।

ज्ञापन में बताया कि प्लेटफार्म नं 1 पर पुराने फुट ओवरब्रिज के स्थान पर नवीन ओवरब्रिज स्वीकृत कर हमें संजीवनी प्रदान करी थी व कहा था कि यह पूर्ण सुविधायुक्त होगा। परंतु इसका कार्य कछुआ चाल से चल रहा है। रेल की रिक्त पड़ी लगभग 61 बीघा (एक लाख छ हजार यार्ड) जमीन का उपयोग ईएमयू ओर वन्दे भारत की मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करवाकर किया जाना चाहिए। फुलेरा की रामलीला पूर्ण भारत वर्ष में लोकप्रिय है, जो कि 100 वर्षों से अधिक समय से प्रतिवर्ष संचालित होती है। इस मैदान को रेल रिकॉर्ड में रेलवे रामलीला संस्कृतिक मैदान घोषित कर इसकी बाउंड्रीवाल व स्टेज का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया जाएं। वहीं ज्ञापन में बताया कि ट्रेन संख्या 20843/ 44456, 20914/ 20913 और 22175/ 22176 का वाणिज्यिक ठहराव जो कोरोना काल में बंद कर दिया गया था, उक्त ट्रेनों का पुन: ठहराव घोषित किया जाए, जिससे हमारे दैनिक व रेलयात्रियों के लिए सुखद साबित होगा।

केन्द्रीय रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव जयपुर पर पहुंचे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत

उदयपुर, (निसं)। घर से स्कूल जाते समय अज्ञात वाहन ने राह चलते वृद्ध को चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सविना थाना क्षैत्र में अज्ञात वाहन ने राह चलते धोल की पाटी सविना निवासी सोमा (65) पुत्र गोतम मीणा को चपेट में ले लिया। सोमा धानमण्डी स्थित निजी स्कूल में चपरासी के पद पर काम करता था एवं शुक्रवार सवेरे पैदल पैदल वह रोड़ पर आ रहा था, जहां बीच रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर घायल होने पर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर एएसआई रामनाथ ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सोंप दिया।

आक्रोशित भीड़ ने टीचर को पीटा : भीलवाड़ा जिले के बागौर थाना क्षेत्र में एक टीचर को धर्म विरोधी पाठ पढ़ाना भारी पड़ गया। आक्रोशित भीड़ ने टीचर की धुनाई कर दी और तो और हिंदुवादी नेता विरोध में उतर आये हैं। इधर, शिकायत पर पुलिस टीचर को लेकर थाने चली गई। ताजा मामला मांडल के लेस्वा ग्राम पंचायत का है। धर्म विरोधी पाठ पढ़ने वाले शिक्षक रणवीर पर आरोप लगे हैं। भगवान का चित्र नहीं बनाने और सिर में चोटी नहीं रखने जैसी बातें सामने आने पर ग्रामीण विरोध में उतर आए। बाद में आक्रोशित भीड़ ने टीचर की धुनाई कर दी।